[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1512 **E**

Unique Paper Code : 121301102

Name of the Paper : साहित्यदर्पण

Poetics: Sāhityadarpaṇa

Name of the Course : **M.A. Sanskrit (LOCF), Examination, April-2023**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 70

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (7×4=28)

Explain the following :

(i) शरदिन्दुसुन्दररुचिश्चेतसि सा मे गिरां देवी ।

अपंहृत्य तमः सन्ततमर्थानखिलान्प्रकाशयतु ।।

अथवा (Or)

उत्कर्षहेतवः प्रोक्ताः गुणालङ्काररीतयः ।

(ii) वर्णाः पदं प्रयोगार्हानन्वितैकार्थबोधकाः ।

अथवा (Or)

विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः ।

सा वृत्तिर्व्यञ्जना नाम शब्दस्यार्थादिकस्य च ।।

(iii) सत्त्वोद्रेकादखण्डस्वप्रकाशानन्दचिन्मयः ।

वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रह्मास्वादसहोदरः ।।

अथवा (Or)

वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमम् ।

(iv) भवेदभिनयोऽवस्थानुकारः स चतुर्विधः ।

आङ्गिको वाचिकश्चैवमाहार्यः सात्त्विकस्तथा ।।

अथवा (Or)

यथासंख्यमवस्थाभिराभिर्योगात्तु पञ्चभिः ।

पञ्चधैवेतिवृत्तस्य भागाः स्युः पञ्च सन्धयः ।।

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से **एक** संस्कृत में हो : (5 + 5 + 5 + 7 = 22)

Write a short note on the following, out of which **one** must be in **Sanskrit** :

(i) भामह की काव्यप्रयोजनविषयिणी दृष्टि

अथवा (Or)

ध्वनिकार के मत की विश्वनाथकृत समीक्षा

(ii) वाक्य **अथवा (Or)** तात्पर्य-शक्ति

(iii) करुणादि रसों की सुखरूपता **अथवा (Or)** रसाभास

(iv) नान्दी **अथवा (Or)** विष्कम्भक

(iv) भवेदभिनयोऽवस्थानुकारः स चतुर्विधः ।

आङ्गिको वाचिकश्चैवमाहार्यः सात्त्विकस्तथा ।।

अथवा (Or)

यथासंख्यमवस्थाभिराभिर्योगात्तु पञ्चभिः ।

पञ्चधैवेतिवृत्तस्य भागाः स्युः पञ्च सन्धयः ।।

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से **एक** संस्कृत में हो : (5 + 5 + 5 + 7 = 22)

Write a short note on the following, out of which **one** must be in **Sanskrit** :

(i) भामह की काव्यप्रयोजनविषयिणी दृष्टि

अथवा (Or)

ध्वनिकार के मत की विश्वनाथकृत समीक्षा

(ii) वाक्य **अथवा (Or)** तात्पर्य-शक्ति

(iii) करुणादि रसों की सुखरूपता **अथवा (Or)** रसाभास

(iv) नान्दी **अथवा (Or)** विष्कम्भक

3. विश्वनाथ काव्यप्रकाशोक्त काव्यलक्षण से किस प्रकार असहमत हैं, स्पष्ट कीजिए । (10)

Vishwanath disagrees with the definition of poetry given in the text of Kavyaprakasha. Comment.

अथवा (Or)

लक्षणा के सामान्य स्वरूप का विशदीकरण करते हुए शुद्धा लक्षणा के भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

Elaborating the general nature of लक्षणा, discuss the kinds of शुद्धा लक्षणा with examples.

4. गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य क्या है? उसके 8 प्रमुख भेदों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (10)

What is गुणीभूतव्यङ्ग्य poetry? Review its 8 main kinds with examples.

अथवा (Or)

विश्वनाथ प्रोक्त महाकाव्य के लक्षण की समालोचना प्रस्तुत कीजिए।

Present a critique of the definition of epic presented by Vishwanath.